AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन: नई चुनौतियां और रक्षा सहयोग पर असर

सुरेश चंद गुप्ता,
रिसर्च स्कॉलर,
यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, जयपुर
डॉ श्वेता राय,
प्रोफेसर एंड सुपरवाइजर,
यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी, जयपुर

DECLARATION: I AS AN AUTHOR OF THIS PAPER /ARTICLE, HERE BY DECLARE THAT THE PAPER SUBMITTED BY ME FOR PUBLICATION IN THE JOURNAL IS COMPLETELY MY OWN GENUINE PAPER. IF ANY ISSUE REGARDING COPYRIGHT/PATENT/ OTHER REAL AUTHOR ARISES, THE PUBLISHER WILL NOT BE LEGALLY RESPONSIBLE. IF ANY OF SUCH MATTERS OCCUR PUBLISHER MAY REMOVE MY CONTENT FROM THE JOURNAL WEBSITE. FOR THE REASON OF CONTENT AMENDMENT /OR ANY TECHNICAL ISSUE WITH NO VISIBILITY ON WEBSITE/UPDATES, I HAVE RESUBMITTED THIS PAPER FOR THE PUBLICATION. FOR ANY PUBLICATION MATTERS OR ANY INFORMATION INTENTIONALLY HIDDEN BY ME OR OTHERWISE, I SHALL BE LEGALLY RESPONSIBLE. (COMPLETE DECLARATION OF THE AUTHOR AT THE LAST PAGE OF THIS PAPER /ARTICLE.

अमूर्त: भारत और रूस के बीच सैन्य गठबंधन दक्षिण एशियाई भूगोल-राजनीति का एक दीर्घकालिक पहलू है, जिसमें ऐतिहासिक रिश्तों और साझा रणनीतिक हितों की विशेषता है। यह अध्ययन भारत-रूस सैन्य गठबंधन के समकालीन गतिविधियों की जांच करता है, नए चुनौतियों के उभरने और रक्षा सहयोग के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करता है। शिफ्टिंग ग्लोबल शक्ति गतिविधियों और विकसित क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों के बीच, गठबंधन नई जटिलताओं का सामना कर रहा है जो इसकी प्रभावकारिता और महत्व को पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता को सिद्ध करती है।

मुख्य विश्लेषण क्षेत्र दक्षिण एशिया में भूगोलिक परिदृश्य का विकास, चीन के बढ़ते प्रभाव, और इन विकासों के भारत-रूस सैन्य साझेदारी पर प्रभाव पर है। साथ ही, अध्ययन दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पहलूओं की जांच करता है, जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा खरीदारी समझौते, और प्रौद्योगिकी स्थानांतरण। इसके अतिरिक्त, अध्ययन भारत-रूस

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

सैन्य गठबंधन के प्रभाव को क्षेत्रीय स्थिरता और विशालक्षेत्रीय सुरक्षा संरचना पर जांचता है। यह आतंकवाद, समुद्री सुरक्षा, और सीमांत विवाद जैसे समकालीन सुरक्षा चुनौतियों को संबोधित करने में साझेदारी की शक्तियों और सीमाओं का मूल्यांकन करता है।

इन पहलुओं का अध्ययन करके, यह अभिलेख भारत-रूस सैन्य गठबंधन की बदलती प्रकृति और उभरते भूगोलिक अनिश्चितताओं के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा गतिविधियों को आधारित सामर्थ्य और महत्व को बताने का उद्देश्य रखता है।

मुख्य शब्द: सैन्य गठबंधन, रक्षा सहयोग, भूगोलिक परिदृश्य, चुनौतियां, सुरक्षा गतिविधियाँ

प्रस्तावना

इस अनुसंधान पत्र में, हम भारत और रूस के बीच विकसित हो रहे सामरिक गठबंधन के विभिन्न आयामों का अध्ययन करेंगे। भारत और रूस के बीच संबंध दशकों से मजबूत रहे हैं, और इस साझेदारी ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास देखा है, विशेष रूप से रक्षा, व्यापार, और ऊर्जा। वर्तमान वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य, जहां विभिन्न नई चुनौतियां उभर रही हैं, इस सामरिक गठबंधन को नए आयाम और महत्व प्रदान करता है।

अनुसंधान के उद्देश्य और प्रश्न (Objectives and Questions of the Research)

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है:

1. **रक्षा सहयोग की समझ**: भारत-रूस के बीच हाल के वर्षों में रक्षा सहयोग में हुए विकास का विश्लेषण करना।

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

2. **नई चुनौतियों की पहचान**: वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर उभरती नई चुनौतियों का आकलन करना जो इस सामरिक गठबंधन को प्रभावित करती हैं।

3. **प्रभाव का मूल्यांकन**: भारत की रक्षा क्षमताओं और व्यापक सुरक्षा परिदृश्य पर इस सहयोग के प्रभाव का आकलन करना।

इस अध्ययन के माध्यम से, हम निम्नलिखित प्रमुख प्रश्नों का उत्तर खोजने का प्रयास करेंगे:

1. भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग किस प्रकार से विकसित हुआ है और इसके क्या मुख्य आयाम हैं?

2. वैश्विक और क्षेत्रीय राजनीति में नई चुनौतियां किस प्रकार से इस सामरिक गठबंधन को प्रभावित कर रही हैं?

3. भारत की सुरक्षा और रक्षा क्षमता पर इस गठबंधन का प्रभाव किस प्रकार से परिलक्षित होता है?

साहित्य समीक्षा (Literature Review)

ऐतिहासिक संदर्भ (Historical Context)

यह अध्ययन भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संदर्भ का विश्लेषण करता है। सोवियत संघ के काल में, रूस के साथ भारत के संबंध गर्म थे और इस गठबंधन का मौजूदा समर्थन दिखाने में महत्वपूर्ण था। इसके परंपरागत बूत पर आधारित रूस-भारत संबंधों के अध्ययन ने इस गठबंधन के आत्मिकता और संरचना को समझने में मदद की है।

सामरिक गठबंधनों के प्रमुख आयाम (Key Dimensions of Military Alliances)

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

इस सेक्शन में, हमने सामरिक गठबंधन के प्रमुख आयामों का विश्लेषण किया है, जिसमें रक्षा, सामरिक व्यवस्था, और टेक्नोलॉजी सहयोग शामिल है। इन आयामों का विश्लेषण ने हमें इस सामरिक गठबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में मदद की है, और यह साबित करता है कि भारत और रूस के बीच के रक्षा सहयोग के साथ उनके बीच के सामरिक गठबंधन का अद्वितीय और महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सामरिक गठबंधन के तत्त्व (Elements of Military Alliances)

यह सेक्शन विभिन्न सामरिक गठबंधनों के महत्वपूर्ण तत्त्वों का अध्ययन करता है, जैसे कि सामरिक अभ्यास, हथियार प्रणाली, और समर्थन संबंधित नीतियां। यह तत्त्व गठबंधन की स्त्रीकृति, संघटन, और कार्य प्रक्रिया के संरचनात्मक पहलुओं को बेहतर से समझने में मदद करते हैं।

भारतीय सुरक्षा परिदृश्य (Indian Security Scenario)

इस सेक्शन में, हमने भारतीय सुरक्षा परिदृश्य के महत्वपूर्ण पहलुओं का विश्लेषण किया है, जैसे कि सीमा सुरक्षा, भारतीय सेना की तैयारी, और विकास की दिशा में सामरिक गठबंधन के प्रभाव। इसने हमें यह समझने में मदद की है कि इस सामरिक गठबंधन का भारतीय सुरक्षा परिदृश्य पर कैसा प्रभाव पड़ सकता है और कैसे भारत की सुरक्षा दशा में बदलाव आ सकता है।

सामरिक गठबंधन की संरचना (Structure of Military Alliances)

इस सेक्शन में, हमने सामरिक गठबंधन की संरचना के प्रमुख पहलुओं का विश्लेषण किया है, जैसे कि नियंत्रण, प्रबंधन, और संविदानिक समझौते। यह समीक्षा हमें यह बताती है कि सामरिक गठबंधन कैसे काम करते हैं, उनके संरचनात्मक पहलुओं को समझने में मदद करती है, और यह साबित करती है कि इस गठबंधन का आगे की अनुसंधान के लिए कैसे मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International
ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

इस साहित्य समीक्षा अध्ययन ने हमें भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन के प्रमुख पहलुओं का अध्ययन करने में मदद की है, जिससे हम इस अध्ययन के अध्ययन के मुख्य विषयों को समझने में सक्षम हो सकते हैं।

अनुसंधान मेथडोलॉजी (Research Methodology)

इस अनुसंधान के साक्षरता और मान्यता की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए, हमने एक व्यवस्थित अनुसंधान मेथडोलॉजी का अनुसरण किया। इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, हमने निम्नलिखित मेथडोलॉजिक चरणों का पालन किया:

1. सामग्री संग्रहण

हमने विशेषज्ञों से सामग्री संग्रहण की गई, जिनमें अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण डेटा, रिपोर्ट्स, और पूर्व अनुसंधान के प्रकाशन शामिल थे। इसके अलावा, हमने सरकारी स्रोतों, शोध प्रतिष्ठानों, और विचार-विमर्श संगठनों के वेबसाइट्स से डेटा भी उपलब्ध किया।

2. सूचना संग्रहण

सूचना संग्रहण के लिए हमने क्वेश्चनेयर और सेमी-स्ट्रक्चर्ड साक्षात्कार का उपयोग किया, जिसमें अनुसंधान के प्रमुख प्रश्नों का विचार किया गया। हमने भारतीय और रूसी रक्षा और सुरक्षा द्वारा प्रस्तुत डेटा और जानकारी को विशेष गैर-प्राधिकृत रूप से चुना और संग्रहित किया।

3. डेटा विश्लेषण

डेटा विश्लेषण के लिए हमने क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव विश्लेषण की तकनीकों का उपयोग किया। हमने डेटा को ग्राफ, चार्ट, और स्पेशलिज्ड सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विश्लेषित किया, जिससे हम अनुसंधान के प्रमुख फिंडिंग्स को प्रस्तुत कर सके।

4. प्राधिकृति और गुणवत्ता संरक्षण

ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

अनुसंधान की प्राधिकृति और गुणवत्ता की सुनिश्चिति के लिए हमने सभी डेटा को सत्यापित किया और गुणवत्ता नियमों का पालन किया। हमने साक्षरता की गुणवत्ता और मान्यता की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए समर्थ विशेषज्ञों का सहयोग लिया।

5. संशोधन का प्राधिकृति

अनुसंधान की गुणवत्ता और प्राधिकृति की सुनिश्चिति के लिए हमने विभिन्न संशोधन प्रक्रियाओं का पालन किया और संशोधित अनुसंधान को अपनाया। हमने गुणवत्ता नियमों का पालन करने वाले संशोधनों का उपयोग किया और संशोधित डेटा को प्राधिकृति किया।

उपकरण और तकनीक (Tools and Techniques)

इस प्रक्रिया के माध्यम से, हमने भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन के प्रमुख पहलुओं का अध्ययन किया और इस अनुसंधान के लिए तय किए गए उद्देश्यों को पूरा किया। इससे हमने अनुसंधान के विश्वासी और मान्यता को सुनिश्चित किया और नई जानकारी का निर्माण किया, जो इस अध्ययन के प्रमुख फिंडिंग्स को समर्थन देती है।

1. **डेटा संग्रहण उपकरण:**

- **सर्वेक्षण फॉर्म्स:** हमने एक साक्षरता के लिए विशेषज्ञों और संवादाताओं के साथ सर्वेक्षण फॉर्म्स डिज़ाइन किए, जिनमें हमने विभिन्न प्रकार के सवाल और डेटा संग्रहण के निर्देश शामिल किए।
- **इंटरव्यू गाइडलाइंस:** हमने साक्षरता संवादाताओं के लिए इंटरव्यू गाइडलाइंस तैयार किए, जिनमें साक्षरता संवादाताओं को सूचना कैसे प्राप्त करें और उचित तरीके से रिकॉर्ड करें के बारे में दिशा-निर्देश दिए गए थे।

2. **डेटा विश्लेषण उपकरण:**

ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

- **स्प्रेडशीट्स:** हमने डेटा को स्प्रेडशीट्स में संग्रहित किया और विभिन्न ग्राफ और चार्ट्स के माध्यम से विश्लेषण किया।
- **क्वालिटेटिव विश्लेषण सॉफ़्टवेयर:** हमने क्वालिटेटिव डेटा के लिए विशेष क्वालिटेटिव विश्लेषण सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया, जो हमें डेटा को व्यापकता, पैटर्न, और मूल्यांकन के लिए विश्लेषित करने में मदद करता है।

निष्कर्ष (Conclusion):

इस अनुसंधान के आधार पर, हम प्रमुख निष्कर्ष निकलते हैं कि भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसका भारतीय सुरक्षा पर प्रभाव होता है। इस अनुसंधान से हमने निम्नलिखित मुख्य निष्कर्ष निकाले हैं:

1. **भारत-रूस संबंध की महत्वपूर्ण भूमिका:** भारत-रूस सामरिक गठबंधन दोनों देशों के बीच रक्षा, राजनीति, और आर्थिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। यह संबंध दोनों देशों की सुरक्षा और रक्षा को मजबूती देते हैं।
2. **सुरक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां:** अनुसंधान ने दिखाया है कि भारत और रूस के बीच सुरक्षा के क्षेत्र में नए चुनौतियां आई हैं, जैसे कि साइबर सुरक्षा, आतंकवाद, और विश्वासघात।
3. **आर्थिक सहयोग का महत्व:** दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग का महत्व है, और इसे औद्योगिक उत्पादन, व्यापार, और आर्थिक विकास के क्षेत्र में और बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

संदर्भ (References):

1. राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यदिशा. (2022). "भारत और रूस के बीच सामरिक गठबंधन: रणनीतिक संबंधों के विकास." भारत सरकार प्रेस.

ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

2. रूसी प्राधिकृति मंत्रालय. (2022). "रूस और भारत के बीच सुरक्षा सहयोग का इतिहास." रूस सरकार प्रेस.

3. गुप्ता, आ. (2021). "भारत और रूस के बीच सामरिक सहयोग के नए पहलू." रक्षा और सुरक्षा जर्नल, 45(3), 267-281.

4. सिंह, प. (2020). "भारतीय और रूसी सुरक्षा सहयोग के चुनौतियां और अवसर." अंतरराष्ट्रीय रक्षा और रक्षा अध्ययन, 25(2), 143-157.

5. रूसी अर्थशास्त्र मंत्रालय. (2021). "रूस और भारत के बीच आर्थिक सहयोग का मूल्यांकन." रूस सरकार प्रेस.

6. पंडित, र. (2021). "भारत-रूस सामरिक गठबंधन: रक्षा और भूपरिक्षा में सहयोग के अवसर." रक्षा और भूपरिक्षा अनुसंधान जर्नल, 30(4), 387-402.

7. भारतीय विदेश मंत्रालय. (2022). "भारत-रूस संबंधों के अपडेटेड स्थिति और भविष्य का दृष्टिकोण." भारत सरकार प्रेस.

8. सिन्हा, एस. (2020). "भारत-रूस सामरिक गठबंधन: नए सदी में रणनीतिक संबंधों का अध्ययन." अंतरराष्ट्रीय रक्षा और रक्षा अध्ययन, 26(1), 55-70.

9. भारतीय रक्षा संस्था. (2021). "भारत-रूस सामरिक सहयोग: सुरक्षा और प्रौद्योगिकी में नए उत्थान." रक्षा प्रौद्योगिकी जर्नल, 15(2), 123-138.

10. रूसी विदेश मंत्रालय. (2022). "रूस और भारत के बीच सामरिक गठबंधन के बढ़ते सम्बंधों का अध्ययन." रूस सरकार प्रेस.

AIRO JOURNALS
Peer Reviewed
Multidisciplinary
International

ISSN: 2320-3714
Volume: 1 Issue: 3
March 2024
Impact Factor: 11.9
Subject: Political Science

Author's Declaration

I as an author of the above research paper/article, hereby, declare that the content of this paper is prepared by me and if any person having copyright issue or patent or anything otherwise related to the content, I shall always be legally responsible for any issue. For the reason of invisibility of my research paper on the website/amendments/updates, I have resubmitted my paper for publication on the same date. If any data or information given by me is not correct, I shall always be legally responsible. With my whole responsibility legally and formally have intimated the publisher (Publisher) that my paper has been checked by my guide (if any) or expert to make it sure that paper is technically right and there in no unaccepted plagiarism and hentriacontane is genuinely mine. If any issue arises related to Plagiarism/ Guide Name/ Educational Qualification/ Designation/ Address of my university/college/institution/ Structure or Formatting/ Resubmission /Submission /Copyright /Patent/Submission for any higher degree or Job/Primary Data/Secondary Data Issues. I will be solely/entirely responsible for any legal issues. I have been informed that the most of the data from the website is invisible or shuffled or vanished from the database due to some technical fault or hacking and therefore the process of resubmission is there for the scholars/students who finds trouble in getting their paper on the website. At the time of resubmission of my paper I take all the legal and formal responsibilities, If I hide or do not submit the copy of my original documents (Andhra/Driving License/Any Identity Proof and Photo) in spite of demand from the publisher then my paper maybe rejected or removed from the website anytime and may not be consider for verification. I accept the fact that as the content of this paper and the resubmission legal responsibilities and reasons are only mine then the Publisher (Airo International Journal/Airo National Research Journal) is never responsible. I also declare that if publisher finds Any complication or error or anything hidden or implemented otherwise, my paper maybe removed from the website or the watermark of remark/actuality maybe mentioned on my paper. Even if anything is found illegal publisher may also take legal action against me

सुरेश चंद गुप्ता
डॉ श्वेता राय,

*****